सीडीएस जनरल अनिल चौहान साइबर सुरक्षा अभ्यास-2024 में शामिल हुए

खबरों में क्यों?

- चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने 22 मई, 2024 को 'साइबर सुरक्षा अभ्यास-2024' में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने साइबर क्षेत्र में भारत की रक्षा क्षमताओं को विस्तार देने के महत्व को उजागर किया।
- व्यापक स्तर पर साइबर सुरक्षा अभ्यास रक्षा साइबर एजेंसी द्वारा 20 से 24 मई, 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य साइबर सुरक्षा से जुड़े हुए सभी संगठनों की साइबर रक्षा क्षमता को और विस्तृत करना तथा सभी हितधारकों के बीच तालमेल को बढ़ावा देना है। यह पहल विभिन्न सैन्य एवं प्रमुख राष्ट्रीय रक्षा संगठनों के प्रतिभागियों के बीच सहयोग और एकीकरण को बढ़ाने पर केंद्रित है।

साइबर रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना

- चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में सभी हितधारकों के बीच संयुक्तता की महत्वपूर्ण आवश्यकता का उल्लेख किया। उन्होंने वर्तमान समय में उभर कर सामने आ रहे साइबर खतरों से निपटने के लिए एक सहयोगी वातावरण को बढ़ावा देने की पहल की सराहना की। जनरल अनिल चौहान ने इस अभ्यास के आयोजन में प्रतिभागियों तथा कर्मचारियों के समर्पण व प्रयासों की भी प्रशंसा की।

साइबर सुरक्षा अभ्यास-2024 का लक्ष्य

- साइबर सुरक्षा अभ्यास-2024 का लक्ष्य साइबर रक्षा कौशल, तकनीक और क्षमताओं को बढ़ाकर प्रतिभागियों को सशक्त बनाना है; इसके लिए सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों को साझा करना और एक एकीकृत एवं मजबूत साइबर रक्षा ढांचा बनाने की दिशा में मिलकर काम करना महत्वपूर्ण है।

सहयोग और एकीकरण बढ़ाना

- यह पहल साइबर रक्षा ढांचे की योजना और तैयारी में संयुक्त कौशल व तालमेल को बढ़ावा देगी। यह आयोजन तेजी से उभरते हुए और महत्वपूर्ण साइबर क्षेत्र में राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

व्यावहारिक जुड़ाव और सीखना

- जैसे-जैसे अभ्यास आगे बढ़ता है, प्रतिभागी विभिन्न साइबर घटनाओं का जवाब देने में अपने कौशल और तैयारियों का परीक्षण करते हुए, अनुरूपित परिदृश्यों में संलग्न होते हैं। सीखी गई अंतर्दृष्टि और सबक मजबूत साइबर रक्षा रणनीतियों के विकास में योगदान देंगे, जिससे डिजिटल क्षेत्र में भारत की रक्षात्मक स्थिति मजबूत होगी।

2023-24 के लिए केंद्र सरकार को रिकॉर्ड 2.11 लाख करोड़ रुपये का आरबीआई लाभांश

- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल ने पहली बार सरकार को लाभांश के रूप में 2.11 लाख करोड़ रुपये देने का फैसला किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 22 मई को बैठक में वित्त वर्ष 2024 के लिए केंद्र सरकार के लिए

2.11 लाख करोड़ रुपये के लाभांश (dividend) को मंजूरी दी, जो वित्त वर्ष 23 की तुलना में लगभग 141 प्रतिशत अधिक है।

- भारत सरकार के पास आरबीआई का सम्पूर्ण स्वामित्व है। 2023-24 के लिए आकस्मिक बफर जोखिम को 6.5% तक बढ़ाए जाने के बावजूद यह आरबीआई द्वारा घोषित शायद अब तक का सबसे बड़ा लाभांश है। लाभांश किसी कंपनी द्वारा अपने शेयरधारक को वितरित लाभ का हिस्सा होता है।

2,10,874 करोड़ रुपये का अधिशेष हस्तांतरित

- वित्तीय वर्ष 2023 में केंद्रीय बैंक ने केंद्र सरकार को अधिशेष के रूप में ₹87,416 करोड़ ट्रांसफर किए थे। मुंबई में आयोजित केंद्रीय बोर्ड की 608वीं बैठक के दौरान केंद्रीय बैंक के निदेशक मंडल ने दृष्टिकोण के जोखिम सहित वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान बोर्ड ने सरकार को 2,10,874 करोड़ रुपये का अधिशेष हस्तांतरित करने का फैसला किया।

अब तक के सर्वाधिक लाभांश

- भारतीय रिजर्व बैंक ने 2023-24 के लिए केंद्र सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये के अब तक के सर्वाधिक लाभांश भुगतान को मंजूरी दी। आरबीआई की ओर से केंद्र को लाभांश या अधिशेष हस्तांतरण के तौर पर वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 87,416 करोड़ रुपये दिए गए गए थे। इससे पहले 2018-19 में सबसे अधिक 1.76 लाख करोड़ रुपये की राशि आरबीआई की ओर से केंद्र को लाभांश के तौर पर दी गई थी।

व्यय और राजस्व के बीच अंतर

- केंद्र सरकार का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष के दौरान राजकोषीय घाटे या व्यय और राजस्व के बीच अंतर को 17.34 लाख करोड़ रुपये (जीडीपी का 5.1 प्रतिशत) पर रखना है। 2024-25 के अंतरिम बजट में, सरकार ने RBI और सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों से 1.02 लाख करोड़ रुपए की लाभांश आय का अनुमान लगाया है।

आकस्मिक बफर जोखिम क्या है?

- आकस्मिक बफर जोखिम से तात्पर्य उस धनराशि से है जो आरबीआई को अपनी वर्तमान देनदारियों (जैसे दिन-प्रतिदिन की लागत, कर्मचारी वेतन, आदि) को पूरा करने और मौद्रिक और विदेशी मुद्रा कार्यों जैसे अपने वैधानिक कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बनाए रखना होता है। आकस्मिक बफर जोखिम आरबीआई के आर्थिक पूंजी ढांचे का हिस्सा है।

कैबिनेट ने IndiaAI मिशन के लिए 10,300 करोड़ रुपये से अधिक की मंजूरी दी

- कैबिनेट ने इंडियाएआई मिशन के लिए 10,300 करोड़ रुपये से अधिक के महत्वाकांक्षी वित्तीय आवंटन को हरी झंडी दे दी है, जिसका उद्देश्य भारत के एआई नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के नेतृत्व में, अगले पांच वर्षों में यह महत्वपूर्ण निवेश विभिन्न रणनीतिक पहलों को उत्प्रेरित करने के लिए तैयार है, जिसमें कंप्यूट बुनियादी ढांचे का विस्तार, स्टार्टअप सशक्तिकरण और नैतिक एआई तैनाती शामिल है।

कंप्यूट इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना

- इंडियाएआई मिशन का एक महत्वपूर्ण घटक, इंडियाएआई कंप्यूट क्षमता परियोजना का लक्ष्य एक अत्याधुनिक, स्केलेबल एआई कंप्यूटिंग बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। रणनीतिक सहयोग के माध्यम से तैनाती के लिए 10,000 से अधिक जीपीयू के साथ, यह पहल उन्नत एआई अनुसंधान और विकास के लिए मंच तैयार करती है।

एआई स्टार्टअप को सशक्त बनाना

- वित्तीय परिव्यय में इंडियाएआई स्टार्टअप फाइनेंसिंग तंत्र को मजबूत करने, बढ़ते एआई स्टार्टअप के लिए फंडिंग तक सुव्यवस्थित पहुंच की सुविधा प्रदान करने के प्रावधान शामिल हैं। उत्पाद विकास और व्यावसायीकरण प्रयासों का समर्थन करके, यह पहल एआई क्षेत्र में नवाचार और उद्यमशीलता को उत्प्रेरित करना चाहती है।

नवाचार को बढ़ावा देना

- इंडियाएआई इनोवेशन सेंटर (आईएआईसी), जिसे एक अग्रणी शैक्षणिक संस्थान के रूप में देखा गया है, अनुसंधान प्रतिभा प्रतिधारण और विकास का नेतृत्व करेगा। स्वदेशी मॉडल निर्माण और एज कंप्यूटिंग का लाभ उठाने पर ध्यान देने के साथ, IAIC का लक्ष्य नवाचार को बढ़ावा देना और तकनीकी आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

डेटा एक्सेसिबिलिटी बढ़ाना

- इंडियाएआई के स्वतंत्र व्यापार प्रभाग (आईबीडी) द्वारा विकसित किए जाने वाले इंडियाएआई डेटासेट प्लेटफॉर्म को सार्वजनिक क्षेत्र के डेटासेट की पहुंच, गुणवत्ता और उपयोगिता बढ़ाने के लिए बढ़ावा मिलता है। यह पहल डेटा-संचालित शासन चलाने और एआई-आधारित नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।

एआई शिक्षा का विस्तार

- इंडियाएआई फ्यूचरस्किल्स कार्यक्रम का उद्देश्य स्नातक और स्नातकोत्तर एआई कार्यक्रमों तक पहुंच बढ़ाकर एआई शिक्षा का विस्तार करना है। प्रमुख शहरों और छोटे शहरों में डेटा और एआई लैब स्थापित करके, यह पहल एआई शिक्षा का लोकतंत्रीकरण करते हुए डेटा और एआई में मूलभूत स्तर के पाठ्यक्रम प्रदान करना चाहती है।
- इंडियाएआई मिशन के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप, ये पहल एआई में भारत के वैश्विक नेतृत्व को आगे बढ़ाने, नैतिक एआई तैनाती सुनिश्चित करने और समाज के सभी वर्गों में एआई के लाभों का लोकतंत्रीकरण करने के लिए तैयार हैं।

दुबई में आर्तारा'24 ललित कला प्रदर्शनी और प्रतियोगिता का आयोजन

- दुबई में ललित कला के क्षेत्र में उभरती स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने के लिए आर्तारा'24 ललित कला प्रदर्शनी और प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दुबई में रहने वाले भारतीयों की कला प्रतिभाओं की पहचान करना और उन्हें कला प्रेमियों तक पहुंचाना है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दुबई में रहने वाली भारतीय प्रतिभा पर विशेष ध्यान देने के साथ छिपे हुए कलात्मक रत्नों को उजागर करना था।

कम-प्रसिद्ध कलाकारों के लिए एक मंच उपलब्ध कराना

- Artara'24 ने कम-ज्ञात कलाकारों, छात्रों और कला प्रेमियों को अपनी असाधारण क्षमताओं का प्रदर्शन करने और साथी रचनात्मक दिमागों से जुड़ने के लिए एक प्रतिष्ठित मंच प्रदान किया। दुबई सांस्कृतिक केंद्र के अंतर्गत आने वाले स्थान अल जलिला सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित इस प्रदर्शनी में 250 से अधिक कलाकृतियों का एक प्रभावशाली संग्रह प्रदर्शित किया गया, जिनमें से प्रत्येक अपनी अनूठी कहानी कहता है और प्रतिभाशाली प्रतिभागियों की विविध पृष्ठभूमि और दृष्टिकोण को दर्शाता है।

कला के माध्यम से विविधता का जश्न मनाना

- प्रदर्शनी में बहु-राष्ट्रीय कलाकारों की कलाकृतियों को गर्व से प्रदर्शित किया गया, जिनमें से कई ने पहली बार अपना काम प्रदर्शित किया, जिससे यह आयोजन उनकी कलात्मक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बन गया। मुख्य प्रदर्शनी के अला एक्सप्रेशन'24 नामक बच्चों के लिए एक ललि

कला प्रतियोगिता ने युवा कलाकारों को अपनी रचनात्मकता व्यक्त करने और अपने साथियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक सहायक और प्रेरणादायक वातावरण प्रदान किया।

एकता और सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देना

Artara'24 ने न केवल भारतीय समुदाय के भीतर अविश्वसनीय प्रतिभा को उजागर किया है, बल्कि प्रतिभागियों और आगंतुकों के बीच एकता और सांस्कृतिक गौरव की भावना को भी बढ़ावा दिया है। प्रदर्शनी ने कलाकारों के लिए अपने अद्वितीय दृष्टिकोण और अनुभवों को व्यक्त करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया, साथ ही विभिन्न कलात्मक माध्यमों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की समृद्ध टेपेस्ट्री का जश्न मनाया।